जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

February 19, 2025

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में "सोबती की सोहबत में" व्याख्यान का आयोजन

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के हिन्दी विभाग द्वारा आज कृष्णा सोबती के जन्म शताब्दी के अवसर पर "सोबती की सोहबत में" विषयक विस्तार व्याख्यान आयोजित किया गया| इस व्याख्यान में वरिष्ठ कथाकार और इंटरनेशनल बुकर पुरस्कार विजेता सुश्री गीतांजलि श्री ने कृष्णा सोबती के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कृष्णा जी किसी भी बात पर समझौता करने के लिए तैयार नहीं थी, चाहे वह वर्ण्य-विषय हो या भाषा; प्रकाशक उनकी किताबों की भाषा को शुद्ध करना चाहते थे पर कृष्णा जी ने अपनी किताब वापस ले ली लेकिन समझौता नहीं किया| 'मित्रो मरजानी' पर फिल्म को लेकर जब बात चली तब भी वे मित्रो के लिबास के बारे में फिल्म निर्माता की बात मानने के लिए तैयार नहीं हुई| कृष्णा सोबती के व्यक्तित्व को रेखांकित करते हुए गीतांजलि श्री ने कहा कि कृष्णा जी उन विरले लोगों में से थीं जिनसे मिलकर लगता था कि उनका व्यक्तित्व गजब था| वे विमर्शों और आंदोलनों से नहीं बल्कि अपने व्यक्तित्व से क्रांतिकारी थीं| इस अवसर पर उन्होंने कृष्णा जी के साथ अपनी यादों को भी साझा किया|

इस कार्यक्रम में बोलते हुए वरिष्ठ लेखक श्री गिरधर राठी ने कहा कि कृष्णा सोबती हिन्दी की सर्वाधिक सजग कथाकार हैं| अनेक लेखक किसी धारा के प्रभाववश साहित्यिक रुझानों की ओर प्रवृत्त होते थे लेकिन कृष्णा जी के लिए यह स्वाभाविक था| उन्होंने कृष्णा सोबती के जीवन से संस्मरणों को सुनाते हुए कहा कि कृष्णा सोबती के साहित्य में हमे पूरे देश का ताना-बाना दिखाई देता है| उनसे बातचीत में अक्सर ही देश, समाज और संविधान की चर्चा आ जाती थी| गिरधर जी ने कृष्णा सोबती के जीवन के बहुमुखी आयामों को भी उद्घाटित किया| कार्यक्रम के प्रारंभ में स्वागत वक्तव्य देते हुए हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. नीरज कुमार ने कहा कि अपने साहित्यिक अवदानों के कारण कृष्णा सोबती आज भी हमारे बीच हैं|

आयोजन की अध्यक्षता करते हुए भाषा और मानविकी संकाय के डीन प्रो. इक्तिदार मुहम्मद खान ने कहा कि हर व्यक्ति स्वाभाविक रूप से साहित्यिक होता है और साहित्य मनुष्य की बुनियादी आवश्यकता है लेकिन कुछ लोग इस आवश्यकता को पहचान पाते हैं और कुछ नहीं| उन्होंने विभाग के इस आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि वरिष्ठ लेखकों का विश्वविद्यालय में आना विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करता है| कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्रो. हेमलता महिश्वर ने कृष्णा सोबती के लेखन की सामाजिक प्रतिबद्धता को रेखांकित किया| कार्यक्रम का संचालन प्रो. कहकशां ए. साद ने किया और उन्होंने अतिथि वक्ताओं का स्वागत करते हुए उनके साहित्यिक अवदान को रेखांकित किया| कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे|

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

हिंदी विभाग
जामिया मिल्लिया इस्लामिया
द्वारा
कृष्णा सोबती
के जन्म-शताब्दी वर्ष पर
आयोजित विस्तार व्याख्यान
विषय : सोबती की सोहबत में
अध्यक्षता : प्रो. इक्तिदार मुहम्मद खां, डीन
स्वागत वक्तव्य : प्रो. नीरज कुमार, अध्यक्ष, हिंदी विभाग
मुख्य वक्ता : गीतांजलि श्री
इंटरनेशनल बुकर पुरस्कार विजेता कथाकार
सुश्री गीतांजलि श्री
प्रो. इक्तिदार मोहम्मद खान
प्रो. नीरज कुमार
प्रो. हेमलता महिश्वर

प्रो. नीरज कुमार
Pratik

प्रो. नीरज कुमार
Pratik